संतोष सुपेकर

ई-मेल-santoshsupekar29@gmail.com

नाइंटी फाइव परसेंट

"नम्बर दोनों के ही नाइंटी फाइव परसेंट नहीं आए, जैसा कि हमने सोचा था!" जगदीश ने कुछ उदास स्वर में अकरम से कहा।

दोनों मित्रों ने सेवानिवृति के पश्चात पढ़ाई करने की ठानी थी।

एक ने अंग्रेजी में एम. ए. किया तो दूसरे ने ज्योतिष शास्त्र में।

बहुत पढ़ने के बाद भी एक के अट्ठावन प्रतिशत तो दूसरे के साठ प्रतिशत अंक आये।

"हाँ यार, ये तो है। किसी के नाइंटी परसेंट भी नहीं आए।"

"नाइंटी-नाइंटी फाइव परसेंट तो एक ही जगह मिले सकते हैं हमको।" एकाएक अकरम की आँखें चमकीं।

"किसी भी अस्पताल में चलो, अपने हार्ट का ब्लॉकेज चेक करवाओ, देखो, दोनों के ब्लॉकेज नाइन्टी, नाइन्टी फाइव परसेंट ही निकलेगा !"

"यस, क्वाइट राईट। आजकल सारी मशीनें बुजुर्गों के हार्ट खराब ही दिखाती हैं।"

"मशीन खराब हो सकती है या आजकल का खानपान खराब है।"

"कुछ भी हो, हमारे ठहाके तो खराब नहीं हैं न , राईट?"

और दोनों ने उन्मुक्त मन से ठहाके लगाए।

अच्छे अंकल

संतोष सुपेकर

"पापा-पापा, ये अंकल है न ! ये अच्छे नहीं हैं।" छः वर्षीय बालिका ने घर लौटते हुए घर के सामने की लाइन के एक मकान के बाहर खड़े व्यक्ति की ओर इशारा करते हुए कहा।

"क्यों? अच्छे क्यों नहीं हैं? क्या किया इन्होंने तेरे साथ?" आज के दूषित वातावरण से उपजा, संदेह का एक नया बीज मेरे अंदर अंकुरित होने लगा, "सच-सच बता बेटी।"

"अरे, कुछ किया नहीं। ये हैं न, खुद तो रोज़ आइसक्रीम खाते हैं पर कभी भी किसी बच्चे को आइसक्रीम नहीं देते ।" बालिका ने बताया तो मैंने राहत की साँस ली । संदेह की खर-पतवार के अंकुरण पर सकारात्मकता का स्प्रे हो गया। वह अंदर ही समाप्त हो गयी।

"बेटा आजकल ऐसे अंकल ही अच्छे होते हैं जो किसी पराये बच्चे को चॉकलेट या आईसक्रीम न दें।"

सुबूत

चौराहे के मन्दिर से भोजन लेकर मुख्य रोड पर आते समय उस फटेहाल व्यक्ति को तेजी से आते वाहन की टक्कर लगी और वह वहीं गिर पड़ा।

"अरे-अरे-अरे !!" कहती हुई भीड़ इकट्ठी होने लगी।

"अरे ये साले ड्रामेबाज होते हैं| रोज मन्दिर से खाना फ्री मिल ही जाता है। आज कुछ पैसे भी मिल जायेंगे।" दृश्य देखकर एक वाहन सवार ने अपने साथी से कहा।

"नहीं यार, नाटक नहीं कर रहा वह। उसे टक्कर लगी है जोर की और वह सचमुच भूखा भी था!"

"तुझे कैसे पता? "

"मैंने सब देखा न ! होश खोने से पहले उसने गिरी हुई थाली में से रोटी उठाकर मुँह में डालने की असफल कोशिश की थी! "